भागलपुर प्रभात खबर 11-11-09 पृ० 3

आज सूचना विज्ञान क्षेत्र में

कंप्यूटर की भूमिका अहम : डा प्रेमा झा

तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन

प्रतिनिधि

भागलपुर : तिलकामांझी विवि के स्नातकोत्तर पुस्ताकालय व सूचना विज्ञान विभाग के तत्वावधान में ई ग्रंथालय एनआईसी साफ्टवेयर पर तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन विवि के ओडिटेरियम में किया गया. कार्यशाला का उदघाटन करते हुए विवि की कुलपति डा प्रेमा झा ने कहा कि आज सूचना विज्ञान क्षेत्र में कम्प्यूटर अहम भूमिका निभा रहा है. आज हर क्षेत्र में इलक्ट्रोनिक पद्धति से कार्य किये जा रहे है. इसमें जरूरी है कि पुस्ताकालय में भी आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाय. साथ ही उनहोंने कहा कि पुस्तकालय ही पहला ज्ञान का स्त्रोत है जहां से नई-नई जानकारियों मिलती है. उन्होंने कहा कि ई ग्रंथालय एनआइसी साफ्टवेयर तैयार हो जाने से कम्प्यूटर के द्वारा पुस्तक का परिग्रहण करना आसान हो जायेगा. इस अवसर पर दिल्ली से आय एनआईसी ई ग्रंथालय के तकनीकी निर्देशक आरके मटोरिया ने इस नये साफ्टवेयर पर विस्तार से चर्चा की. इसके पूर्व में द्वीप प्रज्वलित कर उदघाटन किया गया. कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत भाषण से डा बालकृष्ण झा ने अभिनंदन किया. छात्राओं द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया. इस अवसर पर पुस्तकालय विभागाध्यक्ष डा अरुण कुमार सिन्हा, डा जयंत जलद वरुण सरकार,सहित पुस्तकालय विभाग के शिक्षक व शिक्षिका एवं छात्र-छात्राओं उपस्थित थे. जबकि कार्यक्रम का संचालन डा एके सिन्हा ने किया.

साइबर युग में आवश्यक है तकनीकी शिक्षा : कुलपति

◆ सेन्ट्रल लाइब्रेरी जल्द ही जुड़ जायेगा ई-ग्रंथालय से

भागलपुर, विश्वविद्यालय संवाददाता: आज साइबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू एवं हर क्षेत्र में कम्प्यूटर के जरिये इलेक्ट्रानिक स्तर में प्रवेश कर रहे हैं तब ग्रन्थालय का भी रूप ई-ग्रन्थालय करके इसे कंप्यूटरीकृत किया जाना आवश्यक है। इसी के तहत भागलपुर का केन्द्रीय पुस्तकालय भी ई-ग्रंथालय में तब्दील हो जायेगा। यह बातें मंगलवार को कुलपति डा. प्रेमा झा ने स्नातकोतर पुस्तकालय एवं सूचना विभाग में एनआईसी भारत सरकार द्वारा प्रायोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने कहा कि इस दौर में लोग ई-फ्रेन्ड्स बना रहे हैं ऐसे में ई-लाइब्रेरी सभी के लिए उपयोगी साबित होगा।

इस मौके पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के तकनीकी निदेशक राम कुमार माटोरिया ने बताया कि ई-ग्रंथालय नामक साफ्वेयर सभी लाइब्रेरी को एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र) द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराया जा रहा है। सेन्ट्रल लाइब्रेरी के साथ-साथ भागलपुर के अन्य कालेजों के पुस्तकालयों को भी साफ्टवेयर उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल अभी सबसे पहले सेन्ट्रल लाईब्रेरी आन लाइन हो जायेगी। जिससे घर बैठे छात्र जान सकेंगे कि उनके लाइब्रेरी में कौन-कौन सी किताबें हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों के साथ-साथ विभिन्न कालेजों के लाइब्रेरियन को भी प्रशिक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। श्री माटोरिया ने बताया कि बिहार में चार -पांच विश्वविद्यालयों के लाइब्रेरी को ई-ग्रन्थालय नामक साफ्टवेयर से जोड़ा गया है। आने वाले कुछ सालों में देश के सभी लाइब्रेरी को जोड़ने की एनआईसी की योजना है।

कार्याशाला को संबोधित करतीं कुलपति डा. प्रेमा झा जागरण

दैनिक जागरण 11-11-09 पृ० 3
भागलपुर

अतिथियों का स्वागत करते हुये स्नातकोतर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष बालकृष्ण झा ने कहा कि बीसवीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचना के युग का है। इसमें विश्वविद्यालय को आधुनिक स्वरूप ई-ग्रंथालय का दिया जाना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर ग्रंथालय को एक दूसरे से जोड़ा जा सके। धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अरूण कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी केके झा, एनआईसी दिल्ली के वैज्ञानिक रवि रंजन, विभाग के भूतपूर्व कार्डिनेटर डा. उपेन्द्र प्रसाद यादव , प्राध्यापक जयंत कुमार सिन्हा, बसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, डा.प्रमोद कुमार सिन्हा, डा. अरूण कुमार झा तथा प्रो. विजय कुमार आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में सुमन, शिल्पी, सितवत और खुशबू ने कुलगीत गाया। वहीं कार्यक्रम के शुरुआत में ही प्रोफेसर इंचार्ज डा. बालकृष्ण झा एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष बरूण सरकार के द्वारा कुलपति, श्री माटोरिया, कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं श्री रंजन को सिल्क चादर व बुके भेंट किया गया।

हिन्दुस्तान ।। नवम्बर 2009 पृ० 4 भागलपुर (बिहार)

साइबर युग में ई-लाइब्रेरी जरूरी

लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के लिए लगी कार्यशाला

फोटो : हिन्दुस्तान

लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के कार्यशाला में उपस्थित कुलपति

भागलपुर (का.सं.)। लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के लिए स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विभाग में इलेक्ट्रोनिक लाइब्रेरी एण्ड निक (एनआईसी) साफ्टवेयर न्यूज पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह में मंगलवार को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डा. प्रेमा झा ने कहा कि आज साइबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू और हर क्षेत्र में कंप्यूटर के जरिए प्रवेश कर चुके हैं, ऐसे में ग्रंथालय को ई-लाइब्रेरी में करना जरूरी हो जाएगी। इस मौके पर डा. आरके मटोरिया ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों और इस पेशे से जुड़े कर्मचारियों को ई-लाइब्रेरी की जानकारी देना। उन्होंने कहा कि इस सॉफ्टवेयर के उपयोग से ग्रंथालयों के क्रिया-कलापों एवं संग्रहित आलेखों की शीघ्र जानकारी के अलावा ग्रंथालय प्रबंधन में आसानी होगी। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत सुमन, शिल्पी और खुशबू द्वारा गाए कुलगीत से हुआ। कुलपति ने इस मौके पर भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डा. एसआर रंगनाथन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप भी जलाया। प्रोफेसर इंचार्ज डा. बालकृष्ण झा और विभागाध्यक्ष प्रभारी वरुण सरकार ने मंचासीन अतिथि कुलपति डा. प्रेमा झा, निक के तकनीकी निदेशक डा. आरके मटोरिया, कुलसचिव डा. विनय कुमार सिंह और डा. रवि रंजन को बुके और सिल्क चादर देकर सम्मानित किया। स्वागत भाषण में डा. बालकृष्ण झा ने कहा कि 20वीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचना का युग है। विश्वविद्यालय की आत्मा पुस्तकालय है जिसे आधुनिक स्वरूप देना जरूरी है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर लाइब्रेरी को एक-दूसरे से जोड़ा जा सके। मंच संचालन पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभारी डा. अरुण कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर डा. उपेन्द्र प्रसाद यादव, जयंत कुमार सिन्हा, बसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, प्रमोद कुमार सिन्हा, डा. अरुण कुमार झा, प्रो. विजय कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

अंग भारत भागलपुर 11-11-09 पृ० 3

साफ्टवेयर न्यूज पर त्रिदिवसीय कार्यशाला आयोजित

20 वीं सताब्दी ज्ञान एवं योजना का युग

अजीत कुमार पाठक

भागलपुर। ति० मां० भागलपुर वि०वि० के ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय केन्द्र (निक) संचार एवं सूचना तकनीकी मंत्रालय दिल्ली के सौजन्य से स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से लाईब्रेरी नेटवर्किंग एंड ऑटोमेशन हेतु इलेक्ट्रॉनिक लाईब्रेरी, एंड निक एन आई सी० साफ्टवेयर न्यूज पर त्रिदिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सुमन, शिल्पी, सितवंत और खुशबू ने गाए कुलगीत तथा विश्व विद्यालय कुलपति डॉ० प्रेमा झा द्वारा भारतीय पुस्तकालय विज्ञान जनक डॉ० एस आर रंगनायन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप जलाकर उघाटन से हुआ। प्रोफ्रेसर ईचार्ज डॉ० बालकृष्ण झा एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी वरूण सरकार द्वारा मंचासीन अतिथि कुलपति डॉ० प्रेमा झा, डॉ० आर० के मटोरिया तकनीकी निदेशक, निक दिल्ली, कुलसचिव डॉ० विनय कुमार सिंह तथा डॉ रवि रंजन साईंटिफिक ऑफिसर, निक दिल्ली का स्वागत बुके एवं सिल्क चादर देकर किया गया। स्वागत भाषण में डॉ० बाल कृष्ण झा ने कहा कि 20 वीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचना का युवा है। इसमे विश्वविद्यालय की आत्मा पुस्तकालय को आधुनिक स्वरूप ई-ग्रंथालय को दिया जाना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर ग्रंथालय को एक-दूसरे से जोडा जा सके। उदघाटन भाषण में कुलपति डॉ० प्रेमा झा ने कहा कि आज साईंवर युग में जब हम जीवन के हर पहलू एवं हर क्षेत्र में कम्प्यूटर के जरिए इलेक्ट्रानिक स्तर में प्रवेश कर रहे हैं, तब ग्रंथालिय का भी रूपं ई-ग्रंथालय करके इसे कम्प्यूटरीकृत किया जाना आवश्यक हे। डॉ आर० के मटोरिया ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों एवं इस पेशे से जुड़े कर्मचारियों को ई० ग्रंथालय की जानकारी देना एवं ग्रंथालयी साफ्वेयरें को उपयोगिता बताना है। इसके उपयोग से हम सारे ग्रंथालयों के क्रिया-कलापों एवं संग्रहीत प्रलेखों की जानकारी शीघ्र प्राप्त करने के साथ ही ग्रंथालय प्रबंधन में सुविधा भी प्राप्त करेंगें। अं मंच संचालन पुस्तकालया प्रभारी डॉ० अरूण कुमार सिं धन्यवाद ज्ञापन कर समारोह सम किया। मौके पर विभाग के भू कॉर्डिनेटर डॉ० उपेन्द्र प्रसाद य प्राध्यापक जयन्त कुमार सिन्हा वसंत कुमार चौधरी तथा वि विभागों के विभागाध्यक्ष डॉ० प्र कुमार सिन्हा, डॉ० अरूण कु झा, प्रो० विजय कुमार स विभाग के विद्यार्थीगण एवं पुस्तकालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

नई बात भागलपुर 11 नवम्बर 2009 पृ० 3

ई-टेक्नोलॉजी का उपयोग आज की जरूरत : प्रेम

तीन दिवसीय विज्ञान कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भागलपुर (नि.सं) कम्प्यूटर विज्ञान और ई-टेक्नोलौजी का उपयोग आज की जरूरत है, हर संस्था और व्यक्ति खासकर छात्रों को इसकी जानकारी रखनी चाहिए और इसे अधिकाधिक प्रयोग में लाना चाहिए।

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डा. प्रमा झा ने एनआईसी, दिल्ली द्वारा प्रायोजित स्नातकोत्तर पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

ई-ग्रंथालय और पुस्तकालय नेर वर्किंग विषय पर आयोजित अस कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज पुस्तकालय में संग्रहण का काफी जटिल और मंहगा हो गया है, ऐसे ई-टेक्नोलौजी युक्त सॉफ्तवेय प्रयोग करना समय की मां

कार्यशाला सह प्रशिक्षण का को संबोधित करते हुए एनआ के टेक्नीकली डाईरेक्टर आ रंगनाथन के चित्र पर माल्य एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्य का विधिवत उद्घाटन किय

संस्था के निदेशक डा. झा ने अपने स्वागत भाष संस्था की उपलब्धियों कार्यशाला के विषय वस्तु व में बताया। इस मौके पर कार्य संयोजक डा. ए.के. कुलसचिव डा. बी.के. विभागाध्यक्ष डा. पी.के. सिंह विजय कुमार सिंह सहित विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक छात्र-छात्रायें उपस्थित थीं।

ई-ग्रंथालय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

भागलपुर (वि.सं.)। राष्ट्रीय सूचना केन्द्र दिल्ली के सौजन्य से तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोतर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ई-ग्रंथालय और न्यूज नीक साफ्टवेयर कार्यशाला के तीसरे और अतिम दिन समापन सह वैद्यता कार्यक्रम मनाया गया। वैद्यता कार्यक्रम पर प्रोफेसर इंचार्ज डा. बालकृष्ण झा ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में सूचना संबंधित ज्ञान पाने के लिए इलेक्टानिक संयंत्रों का काफी महत्व है। भारत में तकनीकी विकास लाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने के लिए तकनीकी ज्ञान होना जरूरी है। वही विभागाध्यक्ष वरूण सरकार ने कार्यशाला को सफल बनाने के लिए हर क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डा. अरुण कुमार सिंहा, बसंत कुमार चौधरी, डा. जयंत जलद, किरणसिंहा, भवानी दत्त झा, नरेन्द्र नाथ झा, राजेन्द्र ठाकुर सहित कई छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

नई बात, भागलपुर
शुक्रवार 13-11-2009
पृ॰ - 3

पुस्तकालय का भी कम्प्यूटरीकृत होना आवश्यक: कुलपति

(भागलपुर कार्यालय)

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की ओडिटोरियम में राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, संचार एवं सूचना तकनीकी मंत्रालय के सौजन्य से तथा स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह का उद्घाटन कुलपति डा.प्रेमा झा ने भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डा.एस. आरंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित कर किया। उद्घाटन के बाद अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कुलपति डा.प्रेमा झा ने कहा कि आज के साईबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू एवं हर क्षेत्र में कम्प्यूटर के जरिये इलेक्ट्रोनिक स्तर में प्रवेश कर रहे है तब ग्रंथालय का रूख भी ई-ग्रंथालय करके इसे कम्प्यूटरीकृत किया जाना आवश्यक है। इसी के तहत भागलपुर विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भी ई-ग्रंथालय में तब्दील हो जायेगा। उन्होंने कहा कि इस दौर में लोग ई-फ्रैंड्स बना रहे है। ऐसे में ई-लाईब्रेरी सभी लोगों के लिए लाभदायक एवं कल्याणकारी साबित होगी। इस मौके पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के तकनीकी निदेशक राम कुमार माटोरिया ने कहा कि ई-ग्रंथालय नामक

शीघ्र जुड़ जायेगा केन्द्रीय पुस्तकालय ई-ग्रंथालय से

सॉफ्टवेयर सभी पुस्तकालयों को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ भागलपुर के अन्य महाविद्यालयों को भी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल सबसें पहले केन्द्रीय पुस्तकालय ऑन लाईन किया जायेगा। डा.माटोरिया ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पुस्तकालय विज्ञान केन्द्र छात्रों एवं इस पैशे से जुड़े कर्मचारियों को ई-ग्रंथालय की जानकारी देना एवं ग्रंथालीय सॉफ्टवेयर की उपयोगिता बतानी है। उन्होंने कहा कि इनके उपयोग से हम सारे ग्रंथालयों के क्रियाकलापों एवं संग्रहित प्रलेखों की जानकारी शीघ्र प्राप्त करने के साथ ही ग्रंथालय प्रबंधन में सुविधा भी प्राप्त करेंगे। इस मौके पर आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए डा.बालकृष्ण झा ने कहा कि २१वीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचनाओं का युग है।

ऐसे में विश्वविद्यालय की आत्मा कहलाने वाली लाईब्रेरी को आधुनिक स्वरूप ई-ग्रंथालय का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर ग्रंथालय को एक दूसरे से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम का प्रारंभ सुमन, शिल्पी, सितवत एवं खुशबू के गाये कुलगीत से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के तकनीकी निदेशक समेत अन्य आगत अतिथियों को अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। समारोह में पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभारी अरूण कुमार सिन्हा, पूर्व समन्वयक डा.उपेन्द्र प्रसाद यादव, वसंत कुमार चौधरी, डा.जयंत सिन्हा जलद, अरूण कुमार झा, प्रमोद कुमार सिन्हा एवं डा.विजय कुमार मौजूद थे।

आज, पटना शुक्रवार 13 नवम्बर 2009
पृ० - 5

सूचना सबंधी ज्ञान पाने के लिए इलेक्ट्रीक संयत्रो का काफी महत्व है : बालकृष्णा

कार्यालय प्रतिनिधि

भागलपुर। राष्ट्रीय सूचना केन्द्र निक, दिल्ली के सौजन्य से ति0 मां0 भा0 विश्व0 के स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ई-ग्रंथालय और न्यूज निक सॉफ्टवेयर ग्रंथालयों के नेट वर्कि और स्वचालन हेतु कार्यशाला के तीसरे अंतिम दिन समापन सह वैद्यता कार्यक्रम मनाया गया। प्रशिक्षण के इस दौरान कार्यक्रम पर प्रोफेसर ईंचार्ज डॉ0 बालकृष्णा झा ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में सूचना संबंधी ज्ञान पाने के लिए इलेक्ट्रानिक संयंत्रों का काफी महत्व है। भारत में तकनीकी विकास लाने का भूतपूर्व युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी की देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं ने इस क्षेत्र इस कदर अभूतपूर्व योगदान दिया है। कि संपूर्ण विश्व को इसका उदाहरण अमेरिका तक देने लगा है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सर्विस प्राप्त करने हेतु तकनीकी ज्ञान का होना जरूरी है। विभागाध्यक्षों प्रभारी वरूण सरकार ने कार्यशाला संबंधी समस्त कार्यक्रमों में सक्रियता पूर्वक भागीदारी निभानेवाले विद्यार्थीयों, कार्यशाला में भाग लेनेवाले प्रशिक्षार्थियों, समस्त मीडिया कर्मियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर पुस्तकालध्यक्ष प्रभारी डॉ0 अरूण कुमार सिन्हा, विभाग के प्राध्यापक जयन्त कुमार सिन्हा और वसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, भवानीदत्त झा, नरेन्द्र नाथ झा, राजेन्द्र ठाकुर आदि उपस्थित थे।

अंग भारत, भागलपुर 13-11-2009 पृ0-3

राष्ट्रीय सहारा 12 नवम्बर 2009 पृ० 11

छात्रों को ई-लाइब्रेरी के प्रशिक्षण दिये गए

भागलपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय सूचना केंद्र (निक) संचार एवं सूचना तकनीकी मंत्रालय एवं स्नातकोत्तर पुस्तकालय सूचना विभाग की ओर से ई-लाइब्रेरी पर आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को ई-लाइब्रेरी के सैद्धांतिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण दिये गये। इस अवसर पर दिल्ली तकनीकी निदेशक आर के माटोरिया और साइटिफिक ऑफिसर रवि रंजन के द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया।

इस मौके पर उपस्थित आर के मटोरिया ने कहा कि आज इलेक्ट्रोनिक युग में मानव सभी कार्य समय को बचाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रोनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। वैसे

ई पुस्तकालय से मिलेंगी नई-नई सूचनाएं

समय में पुस्तकालय विज्ञान के भारतीय जनक डा.एस आर रंगनाथन द्वारा दिये गये पुस्तकालय के पंच सूत्रों में से एक सूत्र पाठक का समय बचाव को इलेक्ट्रोनिक ग्रंथालय द्वारा सिद्ध किया जा सकता है। सैद्धांतिक प्रशिक्षण देते हुए निक साफ्टवेयर के स्वचायल और पुस्तकालय के नेटवर्किंग पर प्रकाश डालते हुए ई-ग्रंथालय के महत्व और भूमिका पर प्रकाश डाला। साफ्टवेयर पर सभी सूचनाओं को उपलब्ध करा कर वेबसाइट से जोड़कर पुस्तकालय सामग्री सभी के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। इस अवसर पर सूचना विभाग के विभागाध्यक्ष प्रभारी वरूण सरकार, पुस्तकालय अध्यक्ष प्रभारी डा0 जयंत कुमार सिन्हा, बसंत कुमार चौधरी उपस्थित थे। इस मौके पर विभाग के छात्र छात्राएं एवं पूर्ववर्ती छात्र छात्राएं भी उपस्थित थे जिन्हें प्रशिक्षण दिया गया।

पृ०12 दैनिक जागरण 13-11-2009 भागलपुर

सूचना संबंधी ज्ञान के लिए तकनीकी मजबूती जरूरी

भागलपुर, संवाददाता : राष्ट्रीय सूचना केंद्र (निक) द्वारा तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला गुरुवार को संपन्न हो गयी। समापन सह वैधता कार्यक्रम में प्रो. डा. बाल कृष्ण झा ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में सूचना संबंधी ज्ञान पाने के लिए इलेक्ट्रानिक संयंत्रों का महत्व है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सर्विस प्राप्त करने के लिए तकनीकी ज्ञान आवश्यक है। विभागाध्यक्ष प्रो. वरुण सरकार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। समापन समारोह में डा. अरुण कुमार सिन्हा, प्रो. जयन्त कुमार सिन्हा और बसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, भवानी दत्त झा, नरेन्द्र नाथ झा राजेश ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित थे।

11.11.09

www.rashtriyasahara.com | राष्ट्रीय सहारा | 7

शहर में ई ग्रंथालय पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

भागलपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय सूचना केंद्र नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एनईसी, ई ग्रंथालय और लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर विशय पर तीन दिवसीय कार्याशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्नातकोत्तर पुस्तकालय सूचना विज्ञान विभाग के तत्वाधान में मंगलवार से शुरू हुआ।

कार्यशाला का उदघाटन तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डा0 प्रेमा झा ने सूचना विज्ञान के जनक डा0 एस आर रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डा0 झा ने कहा कि आज पुस्तकालयों का रख रखाव काफी महंगा हो गया है। ऐसे में ई लाइब्रेरी काफी उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज सूचना विज्ञान के क्षेत्र में कम्प्यूटर काफी अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे में पुस्तकालयों के लिए भी ऐसे सोफ्टवेयर का इस्तमाल करना छात्रों के हित में होगा। इस मौके पर उपस्थित एनआईसी दिल्ली के तकनीकी निदेशक आर के मटोरिया ने ई ग्रंथालय और पुस्तकालयों के नेटवर्किंग पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला को संस्था के वैज्ञानिक निदेशक रवि रंजन ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कुलगीत से हुई, संस्था के निदेशक प्रो0 बी के झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के औचित्य और उद्देश्य को बताया। मंच संचालन कार्यशाला संयोजक डा0 ए के सिन्हा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा0 विनय कुमार सिंह, विभाग के शिक्षक जयंत कुमार सिन्हा, बी के चौधरी, वरूण सरकार, प्रो0 पी के सिन्हा, प्रो0 ए के झा, प्रो0 विजय कुमार सिंह, किरण सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम

- सूचना विज्ञान के क्षेत्र में कम्पयूटर की भूमिका अहम साबित हो रही